आगरा में 90 गांव यमुना के पानी से घिरे

जागरण टीम, नई दिल्ली: पश्चिमी यूपी में यमुना का पानी अब भी परेशानी का कारण बना हुआ है। आगरा में खतरे के निशान से चार फीट ऊपर बह रही यमुना का पानी शहर में घुस गया है। इससे 90 गांव बाढ़ से घिर गए हैं। हरियाणा के भी अधिकांश क्षेत्रों में वर्षा हो रही है। इससे यमुनानगर में हथनीकुंड बैराज पर यमुना नदी का बहाव बढ़ गया। मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे बैराज पर अधिकतम बहाव 82275 क्यूसेक रहा। एक लाख क्यूसेक जल बहाव होने पर उत्तर प्रदेश और हरियाणा की नहरें बंद कर पूरा पानी यमुना नदी में छोड़ा जाएगा।

उत्तराखंड में दो दिन की राहत के बाद वर्षा ने एक बार फिर दुश्वारियां खड़ी कर दी हैं। रुद्रप्रयाग में गौरीकुंड हाईवे सोमवार रात 12 बजे से बाधित है। एक हजार से अधिक यात्री हाईवे पर फंसे हुए हैं। बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री मार्ग भी दिनभर बाधित होते रहे। मूसलधार वर्षा व भूस्खलन से प्रदेश में करीब एक दर्जन मकान, विद्यालय व दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। गोशालाएं भी ध्वस्त हुई हैं। प्रदेश में 125 से अधिक मार्ग अवरुद्ध हैं। यहां बुधवार को मौसम कुछ राहत दे सकता है। हरिद्वार में भी मंगलवार शाम को गंगा के जलस्तर ने चेतावनी रेखा 293 मीटर को छू लिया। ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर 339.20 मीटर तक पहुंचा, जो चेतावनी रेखा 30 सेंटीमीटर कम था।

आगरा में मंगलवार को गांव तनोरा में बाढ़ में फंसे ग्रामीणों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले जाती एनडीआरएफ की टीम ● जागरण

हिमाचल में रानीताल व कोपडलाहड़ के बीच मंगलवार को भारी वर्षा के कारण रेलवे ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया ● जागरण

हिमाचल के सिरमौर में बादल फटा, वाहन बहे

हिमाचल में मंगलवार को सिरमौर जिले में बादल फटने के साथ कई स्थानों पर भारी वर्षा हुई। माशु पंचायत में बादल फटने से पानी की चपेट में तीन वाहन आ गए। कुल्लू का गुंगी गांव पहाड़ी दरकने से खतरे की जद में आ गया है। प्रदेश में 682 सड़कें बंद हैं। 4691 करोड़ के नुकसान का आकलन है। अब तक 125 लोगों की मौत हो चुकी है।

उत्तर प्रदेश में मंगलवार को बारिश का थमा रहा, मगर कई जिलों में यमुना व गंगा का जलस्तर बढ़ना जारी है। आगरा में 800 बीघा फसल जलमग्न हो गई है। कई गांवों का संपर्क मार्ग टूट गया है। तनौरा और सुरैरा के बीच में टापू बन जाने से 48 घंटे से फंसे 13 लोगों को एनडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला। पोइया घाट मोक्षधाम पूरी तरह बंद हो गया है। इटावा और प्रयागराज में भी यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बनारस में लगातार बढ़ रहे गंगा के जलस्तर के कारण मणिकर्णिका समेत कई घाट पानी में डूब गए हैं। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर भी कुछ सीढ़ियां जलमग्न हैं।

nwda.gov.in